Title: Need to constitute an enquiry committee for providing relief to the drought affected people of Madhya Pradesh.

श्री गौरी शंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : माननीय अध्यक्ष महोदय, म.प्र. में इस वर्ष भीषणतम अकाल है। राज्य सरकार के पास सभी जिलों के कलैक्टरों ने आंकड़े भेजें हैं। खरीफ की फसल नष्ट हो गई। रबी की फसल नष्ट हो गई। अकेले मेरे संसदीय क्षेत्र बालाघाट जिले में १२५२ गांवों में से १२५१ गांवों में से फासल आनाबारी ५० पैसे कम आई है। राज्य सरकार ने राहत का कोई कार्य नहीं खोला है। भारत सरकार के पास कांग्रेस सरकार ने अपना पक्ष ठीक प्रकार से प्र ास्तुत नहीं किया और न ही सांसदों के साथ बैठकर कोई चर्चा की। अपना पक्ष जवाबदारी से न रखने के कारण म.प्र.को कोई राहत नहीं मिल सकी है। वहां पर लोग भूखे मर रहे हैं। कोई राहत कार्य चालू नहीं किए गए हैं। सिर्फ बालाघाट जिले में ५० लाख रुपए राहत कार्य के लिए दिए गए हैं। बालाघाट में चार लाख कृषि मजदूर हैं। इन ५० लाख रुपयों में से १० प्रतिशत मजदूरों को भी काम नहीं मिल पाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार के कृषि मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वे म.प्र. के मुख्य मंत्री को विशेष रूप से आहूत करें और उनके तथा म.प्र. के सभी सामसदों के साथ एक विशेष बैठक करें ताकि इस विकराल स्थिति से निपटने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकें।

अध्यक्ष महोदय, यह न केवल मेरे संसदीय क्षेत्र बल्कि पूरे म.प्र. का मामला है। म.प्र. के ४० जिले अकाल की चपेट में हैं। वहां लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। लोग मौत से मर रहे हैं। कृषकों के पास कृषि कार्य के लिए बीज नहीं हैं। सरकार ने उनको आर.बी.सी. ६(४) के तहत कोई मुआवजा भी नहीं दिया है। मवेशियों के चारे का कोई प्रबन्ध नहीं है। मेरा निवेदन है कि कृषि मंत्री महोदय, सांसदों के साथ बैठकर अधिकारियों एवं सांसदों की एक जांच कमेटी बनाएं जो सभी अकाल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करे और इस समस्या से निपटने के लिए समाधान प्रस्तुत करे। महोदय यदि ऐसा नहीं किया गया, तो मैं अभी कहता हूं कि आने वाली बरसात में वहां खेती नहीं हो सकेगी। वहां बीज का प्रबंध नहीं है। मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि वह कृषकों की हर प्रकार से मदद करने के लिए प्रदेश सरकार को यहां से निर्देशित करे।